रौल नं०.....नाम परीक्षार्थी.....

XII-1 अर्द्धवार्षिक परीक्षा सन् 2024–25 ई० A

हिन्दी (केवल प्रश्न–पत्र)

समय – 3.15 घण्टा कक्षा – 12 खण्ड 'क' पूर्णांक – 100

1. (क) खड़ी बोली गद्य का प्रारम्भ किस कृति से माना गया है :– 1
(अ) चौरासी वैष्णव की वार्ता (ब) अष्टयाम
(स) चन्द छन्द बरनन की महिमा (द) वर्ण–रत्नाकर।

(ख) हिन्दी गद्य का जनक कहा जाता है :– 1
(अ) प्रतापनारायण मिश्र (ब) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
(स) श्यामसुन्दरदास (द) जयशंकर प्रसाद।

(ग) 'रानी केतकी की कहानी' के लेखक हैं :– 1
(अ) मुंशी इंशा अल्ला खाँ (ब) राजा शिवप्रसाद
(स) सदल मिश्र (द) राजा लक्ष्मणसिंह।

(घ) हिन्दी का प्रथम नाटक है :– 1
(अ) सती–प्रताप (ब) नल–दमयन्ती स्वयंवर
(स) कामना (द) नहुष।

(ङ) 'कन्यादान' निबन्ध के लेखक हैं :– 1
(अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
(स) डॉ. सम्पूर्णानन्द (द) सरदार पूर्णसिंह।

2. (क) 'खुमाण रासो' के रचयिता/रचनाकार हैं :– 1
(अ) जगनिक (ब) नरपति नाल्ह
(स) दलपति विजय (द) शारंगधर।

(ख) निम्न में से कौन–सा कवि सगुण भक्तिधारा से सम्बन्धित नहीं है :– 1
(अ) सूरदास (ब) तुलसीदास
(स) मीराबाई (द) जायसी।

(ग) 'साकेत' कृति के रचनाकार हैं :– 1
(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) दिनकर
(स) मैथिलीशरण गुप्त (द) भगवतीचरण वर्मा।

(घ) 'तारसप्तक' का प्रकाशन वर्ष है :– 1
(अ) सन् 1953 ई. में (ब) सन् 1943 ई. में
(स) सन् 1935 ई. में (द) सन् 1919 ई. में।

(ङ) अमीर खुसरो कवि हैं :– 1
(अ) आदिकाल के (ब) भक्तिकाल के
(स) रीतिकाल के (द) आधुनिककाल के।

3. निम्न गद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए:– 10

जन का प्रवाह अनन्त होता है। सहस्रों वर्षों से भूमि के साथ राष्ट्रीय जन ने तादात्म्य प्राप्त किया है। जब तक सूर्य की रश्मियाँ नित्य प्रातः काल भुवन को अमृत से भर देती हैं, तब तक राष्ट्रीय जन का जीवन भी अमर है। इतिहास के अनेक उतार–चढ़ाव पार करने के बाद भी राष्ट्र–निवासी जन नई उठती लहरों से आगे बढ़ने के लिए अजर–अमर हैं। जन का संततवाही जीवन नदी के प्रवाह की तरह है, जिसमें कर्म और श्रम के द्वारा उत्थान के अनेक घाटों का निर्माण करना होता है।

(पृष्ठ पलटिए)

(अ) गद्यांश के शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) इस अवतरण में राष्ट्र के किस तत्व पर प्रकाश डाला गया है?
(द) सूर्य की रश्मियों का क्या प्रभाव पड़ता है?

अथवा

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है, वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुसकानमयी हैं यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा-निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की। भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(अ) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) "यह किस दीपक की जोत है?" इस वाक्य में क्या भाव निहित है?
(द) यहाँ लक्ष्यदर्शी जीवन की जोत से क्या तात्पर्य है?

4. निम्न में से किसी एक पद्यांश को पढ़कर उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :- 10

(क) बैठी खिन्ना यक दिवस वे गेह में थीं अकेली।
आके आँसू दृग-युगल में थे धरा को भिगोते॥
आई धीरे इस सदन में पुष्प-सद्गन्ध को ले।
प्रातः वाली सुपवन इसी काल वातायनों से॥
सन्तापों को विपुल बढ़ता देख के दुःखिता हो।
धीरे बोली स-दुख उससे श्रीमती राधिका यों॥
प्यारी प्रातः पवन इतना क्यों मुझे है सताती।
क्या तू भी है कलुषित हुई काल की क्रूरता से॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित पंक्ति की व्याख्या कीजिए।
(स) प्रातःकालीन सुगन्धित पवन किस मार्ग से राधिका के घर के अन्दर आई?
(द) राधिका ने दुःखी होकर धीरे-धीरे पवन से क्या कहा?

(ख) चिंता-मनि मंजुल पँवारि धूर-धारनि मैं
कांच-मन-मुकुर सुधारि रखिबौ कहौ।
कहै 'रतनाकर' वियोग-आगि सारन कौं
ऊधौ हाय हमकौं बयारि भखिबौ कहौ॥
रूप-रस-हीन जाहि निपट निरूपि चुके
ताकी रूप ध्याइबौ औ रस चखिबौ कहौ।
एते बड़े विस्व माहीं हेरैं हूँ न पैयै जाहि,
ताहि त्रिकुटी मैं नैन मूँदि लखिबौ कहौ॥

(अ) पाठ का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।
(ब) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(स) गोपियों को वियोग की अग्नि बुझाने के लिए उद्धव उन्हें किसका भक्षण करने के लिए कह रहे हैं?
(द) 'त्रिकूट-चक्र' सम्बन्धी उद्धव के उपदेश को सुनकर गोपियाँ उनसे क्या कहती हैं?

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन परिचय देते हुए उनकी महत्व कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
   (अ) डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
   (ब) कन्हैया लाल मिश्र 'प्रभाकर'
   (स) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

   (ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन परिचय देते हुए उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए:- 5
   (अ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (ब) मैथिलीशरण गुप्त
   (स) जयशंकर प्रसाद

6. 'खून का रिश्ता' अथवा 'बहादुर' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। 5

7. स्वपठित नाटक के किसी एक पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए। 5

खण्ड 'ख'

8. निम्नलिखित अवतरणों का सन्दर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए:- 7

   (क) धन्योऽयं भारतदेश: यत्र समुल्लसति जनमानसपावनी, भव्यभावोद्भाविनी शब्द-सन्दोह-प्रसविनी सुरभारती। विद्यमानेषु निखिलेष्वपि वाङ्मयेषु अस्या: वाङ्मयं सर्वश्रेष्ठं सुसम्पन्नं च वर्तते। इयमेव भाषा संस्कृतनाम्नापि लोके प्रथिता अस्ति। अस्माकं रामायण-महाभारतद्वैतिहासिकाग्रन्था:, चत्वारों वेदा:, सर्वा: उपनिषद:, अष्टादशपुराणानि, अन्यानि च महाकाव्यनाट्यादीनि अस्यामेव भाषायां लिखितानि सन्ति।

   अथवा

   यथैवोपकरणवतां जीवनं तथैव ते जीवनं स्यात्। अमृतत्वस्य तु नाशस्ति वित्तेन इति। सा मैत्रेयी उवाच-येनाहं नामृता स्यां किमहं तेन कुर्याम्। यदेव भगवान् केवलममृतत्वसाधनं जानाति, तदेव मे ब्रूहि। याज्ञवल्क्य उवाच-प्रिया न: सती त्वं प्रियं भाषसे। एहि, उपविश, व्याख्यास्यामि ते अमृतत्वसाधनम्।

   (ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :- 7

   वैवस्वतो मनुर्नाम माननीयो मनीषिणाम्।
   आसीन्महीक्षितामाद्य: प्रणवश्छन्दसामिव॥
   तदन्वये शुद्धिमति प्रसूत: शुद्धिमत्तर:।
   दिलीप इति राजेन्दुरिन्दु: क्षीरनिधाविव॥

   अथवा

   सुखार्थिन: कुतो विद्या कुतो विद्यार्थिन: सुखम्।
   सुखार्थी वा त्यजेद् विद्यां विद्यार्थी वा त्यजेत् सुखम्॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए:- 4
   (क) संस्कृतभाषाया: मुख्या: कवय: के सन्ति?
   (ख) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्?
   (ग) हंसपोतिका कस्य दुहिता आसीत्?
   (घ) दिलीप: कस्यान्वये प्रसूत:?

10. (क) शृंगार रस अथवा करूण रस की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
    (ख) अनुप्रास अलंकार अथवा श्लेष अलंकार की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2
    (ग) सोरठा अथवा दोहा छन्द की सोदाहरण परिभाषा दीजिए। 2

(पृष्ठ पलटिए)

11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए तथा प्रारम्भ में संक्षिप्त रूपरेखा भी लिखिए:- 9

(क) नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020
(ख) आतंकवाद की समस्या
(ग) स्वच्छ भारत अभियान।

12. (क) (अ) 'प्रेजते' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) प्रे + जते (ii) प्रेज + ते
(iii) प्र + एजते (iv) प्रए + जते।

(ब) 'शयनम्' का सन्धि-विच्छेद होगा:- 1

(i) शय + अनम् (ii) शै + अनम्
(iii) शे + अनम् (iv) शी + आनम्।

(स) 'रामष्षष्ठः' का सन्धि-विच्छेद होगा :- 1

(i) रामष् + षष्ठः (ii) राम + षष्ठः
(iii) रामश् + षष्ठः (iv) रामस् + षष्ठः।

(ख) (अ) निम्न में से किसी एक शब्द का समास विग्रह कीजिए और समास का नाम भी लिखिए :- 1

महाधनः, सज्जनः, पीताम्बरः, मीनाक्षी।

(ब) 'सहरि' में समास है :- 1

(i) तत्पुरुष (ii) कर्मधारय
(iii) अव्ययीभाव (iv) द्वन्द्व।

13. (क) (अ) 'दृष्ट्वा' शब्द में प्रत्यय है :- 1

(i) अनीयर् (ii) क्त्वा
(iii) तव्यत् (iv) तल्।

(ब) 'लभ् + क्त' से शब्द बनेगा :- 1

(i) लब्धः (ii) लभः
(iii) लभक्त (iv) लभत्वा।

(ख) (अ) 'शिरसा खल्वाटः।' में 'शिरसा' में विभक्ति है :- 1

(i) प्रथमा (ii) चतुर्थी
(iii) पञ्चमी (iv) तृतीया।

(ब) 'अलं मल्लो मल्लाय।' में रेखांकित पद में चतुर्थी प्रयोग का कारण है :- 1

(i) मल्लः (ii) अलम्
(iii) स्वधा (iv) स्वस्ति।

14. अपने क्षेत्र में मच्छरों के प्रकोप का वर्णन करते हुये उचित कार्यवाही के लिए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए। 8

अथवा

अपने किसी प्रकाशक से कुछ पुस्तकें वी.पी.पी. द्वारा मँगवाई थी, किन्तु जो पुस्तकें आपको मिलीं, वह उनसे भिन्न थी, जिनका ऑर्डर आपने दिया था। पुस्तकें बदलवाने के सम्बन्ध में एक पत्र लिखिए।